

τελεῖτ', ἐπεὶ οὐ μοι ζῶντί γ' αὐθις ἔξετε.

μέθεσθε δ' ἦδη χαίρετόν τ'. οὐ γάρ μ' ἔτι

βλέποντ' ἐσόψεσθ' αὐθις. AN. ὡς τάλαιν' ἔγω.

ΠΟ. μὴ τοὶ μ' ὁδύρου. AN. καὶ τις ἄν σ' ὅρμομενον  
ἔς προῦπτον Ἀιδηνού οὐ παταστένοι, κάβι; 1440

ΠΟ. εἰ χρὴ, θανοῦμαι. AN. μὴ σί γ', ἀλλ' ἐμοὶ πιθοῦ.

ΠΟ. μὴ πεῖθ' ἂ μὴ δεῖ. AN. δυστάλαινά ταῦρ' ἔγω,  
ἢν σοῦ στερηθῶ. ΠΟ. ταῦτά γ' ἐν τῷ δαίμονι

καὶ τῆδε κρᾶναι χάτερα. σφῶ δ' οὖν ἔγω

θεοῖς ἀρῷμαι μὴ ποτ' ἀντῆσαι πακῶν. 1445

ἄναξιαι γὰρ πᾶσιν ἔστε δυστυχεῖν.

κομμός. στρ. α'.

ΧΟ. νέα τάδε νεόθεν ἥλθέ μοι

(μάλα) βαρύποτμα κακὰ παρ' ἀλαοῦ ξένου.

ἢ τις μοῖρά νιν κιγχάνει; 1450

δ' εὖ διδοίη Burges. Mein. Dind. prob. Weckl. Cf. 642. ὡς Ζεῦ,  
διδοίης τοῖσι τοιούτοισιν εὖ. O. R. 1081. Aesch. Cho. 800. Polyb.  
IV. 21. 11. ἄν ποτ' αὐτοῖς ὁ θεὸς εὖ δῷ (εὐοδῶ duo mss.).

τελεῖτε μοι (sic L. με B.) θαρόντ' mss. Correxit Lobeck.

1436. ἐπεὶ οὐ μοι ζῶντί γ' (οὐ με ζῶντά γ' L<sup>2</sup>. Elmsl. Hart.)

αὐθις ἔξετον mss. Qu. ἐπεὶ οὐ με ζῶντά γ' εἰσόψεσθ' ἔτι. Sed  
hoc dicit in v. prox. Versum proscribunt Dind. Mein. aliique. οὐ μοι]  
Qu. οὐτοι. ἔξετον mss. Dedi ἔξετε.

1440. εἰς mss. ἐς Dind.

1441. πιθοῦ B. T. πείθον K. L.

1443. εἰ σον K. L. T. εἰ σοῦ B. Cf. 509. Aj. 496. O. R. 198.  
868. Ant. 710. Ph. 963. Dedi ἢν σοῦ —. ταῦτα δ' ἐν — mss.  
Dedi ταῦτά γ' ἐν —.

1444. φῦναι mss. κρᾶναι conj. Nauck. Recte, opinor. σφῶν  
mss. σφῶ Elmsl. Dind. Mein. Jebb. Cf. Aj. 433. τοιούτοις γὰρ πακοῖς  
ἐντυγχάνω. 509. Tr. 48.

1445. πακῶν A. B. K. L. κακὸν T.

1447. Qu. νέα τάδε νέα πέφηνέ μοι.

1448. (νέα) βαρύποτμα Herm. Malim (μάλα) —.

1450. εἰ τι μοῖρα μὴ κιγχάνει mss. Haec non intelligo. Correxi  
ἄρα (aut ἢ τις) μοῖρά νιν κιγχάνει; Qu. ἢ σφε μοῖρα τῦν κιγχά-  
νει; Cf. 1472. κιγχάνει A. τυγχάνῃ L. pr. κιγάνῃ corr. κιγάνῃ  
cet. κιγχάνει Hermann.